Seventeenth Loksabha

an>

14.14 hrs

माननीय सभापति: श्री राजेन्द्र अग्रवाल जी ।

Title: Re. Screening of contents of Commercial Advertisements.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): सभापति महोदय, आजकल विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक चैनलों पर मसाले बनाने वाली एक कंपनी का विज्ञापन प्राय: आता है । विज्ञापन में सेना के एक अधिकारी द्वारा अपने कर्मचारी से भोजन लाकर मेज पर लगाने का निर्देश दिया जाता है । अपने अतिथियों के साथ भोजन की प्रतीक्षा कर रहे इस फौजी तक जब दो-तीन बार कहने के बाद भी भोजन नहीं पहुंचता है तो वह स्वयं रसोई की तरफ जाता है तथा अपने कुक को मसालों के कारण अत्यंत स्वादिष्ट बने व्यंजन को खाते हुए देखता है । नाराज फौजी अपनी बंदूक के साथ विदूषक अंदाज में अपने कर्मचारी को मारने के लिए मेज के चारों ओर चक्कर लगाता है ।

महोदया, किसी भी विज्ञापन में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने के लिए तत्पर रहने वाले सैन्य कर्मी का इस प्रकार की भूमिका में उपहास का विषय बनाना उचित नहीं है तथा सेना के प्रति जन सामान्य के आदर के अनुरूप भी नहीं है ।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि कृपया इसका उचित संज्ञान लेते हुए इस प्रकार के विज्ञापनों को रोकने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का कष्ट करें ।